



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

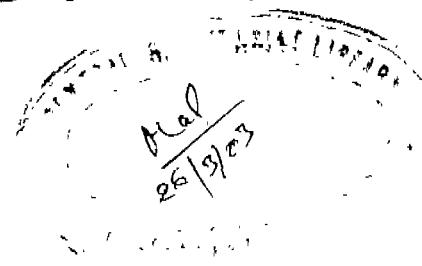
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 840]

नई दिल्ली, मंगलवार, सितम्बर 24, 2002/आश्विन 2, 1924

No. 840]

NEW DELHI, TUESDAY, SEPTEMBER 24, 2002/ASVINA 2, 1924



भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड

अधिसूचना

मुम्बई, 24 सितम्बर, 2002

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड

[श्रमजन्य (स्वेट) इकिवटी का निर्गमन] विनियम, 2002

का.आ. 1031(अ).— बोर्ड, कंपनी (संशोधन) अधिनियम, 1999 (1999 का 1) द्वारा यथा अंतःस्थापित कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 79क की उप-धारा (1) के खंड (घ) के साथ पठित भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 (1992 का 15) की धारा 30 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एतद्वारा, निम्नलिखित विनियम बनाता है, अर्थात् :-

अध्याय I

प्रारंभिक

संक्षिप्त नाम और प्रारंभ

1. (क)

इन विनियमों को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (श्रमजन्य {स्वेट} इकिवटी का निर्गमन)

विनियम, 2002 कहा जायेगा ।

परिभाषाएँ

2. (1) (ख) ये विनियम राजपत्र में उनके प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे ।

इन विनियमों में, जब तक कि सन्दर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो :-

(क) 'अधिनियम' से भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 अभिप्रेत है ;

(ख) 'सहयुक्त' के अन्तर्गत वह व्यक्ति है, जो प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः स्वयं अपने द्वारा या नातेदारों के साथ, कंपनी पर नियंत्रण प्रयुक्त करता है ; या,

i) जिसका कर्मचारी, अधिकारी या निदेशक एक अन्य कंपनी का निदेशक, अधिकारी या कर्मचारी भी है ;

ii) जिसका कर्मचारी, अधिकारी या निदेशक एक अन्य कंपनी का निदेशक, अधिकारी या कर्मचारी भी है ;

(ग) 'बोर्ड' से अधिनियम की धारा 2 की उप-धारा (1) के खण्ड (क) में यथा परिभाषित बोर्ड अभिप्रेत है ;

(घ) 'नियंत्रण' के अंतर्गत निदेशकों की बहुसंख्या को नियुक्त करने अथवा व्यक्ति अथवा अलग-अलग या सामान्य मति से कार्य करने वाले व्यक्तियों द्वारा प्रयोग किये जा सकने वाले प्रबंध या नीतिगत विनिश्चयों को नियंत्रित करने, प्रत्यक्षतः या

अप्रत्यक्षतः, का अधिकार आएगा, जिसमें उनके शेयरधारिता या प्रबंध अधिकारों अथवा शेयरधारकों या मतदान करारों के फलस्वरूप या किसी अन्य रीति से सम्मिलित है ;

(ड) 'कंपनी' से कंपनी अधिनियम, 1956 में यथा परिभाषित कंपनी अभिप्रेत है ;

(च) 'निदेशक' से, कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 2 की उप-धारा (13) में यथा परिभाषित निदेशक अभिप्रेत है ;

(छ) 'कर्मचारी' से,

(i) भारत अथवा विदेश में कार्य करने वाला कंपनी का स्थायी कर्मचारी या

(ii) कंपनी का निदेशक, चाहे पूर्णकालिक निदेशक हो या न हो ;

(ज) 'ईएसओएस' से भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (कर्मचारी स्टॉक विकल्प स्कीम तथा कर्मचारी स्टॉक क्रय स्कीम) मार्गदर्शक सिद्धांत, 1999 में यथा परिभाषित कर्मचारी स्टॉक विकल्प स्कीम अभिप्रेत है ;

(झ) 'अंतरंगी' से भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (अंतरंग व्यापार का प्रतिबेध) विनियम, 1992 के

विनियम 2 के खंड (ड) में यथा परिभाषित अंतरंगी अभिप्रेत है ;

- (ज) 'मर्चेंट बैंककार' से अधिनियम की धारा 12 के अधीन रजिस्ट्रीकृत मर्चेंट बैंककार अभिप्रेत है ;
- (ट) 'संप्रवर्तक' से भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (शेयरों का पर्याप्त अर्जन और अधिग्रहण) विनियम, 1997 के विनियम 2 के उप-विनियम (1) के खंड (ज) में यथा परिभाषित संप्रवर्तक अभिप्रेत है ;
- (ठ) 'रजिस्ट्रार' से अधिनियम की धारा 12 के अधीन रजिस्ट्रीकृत निर्गम रजिस्ट्रार अभिप्रेत है और इसमें शेयर अंतरण अभिकर्ता सम्मिलित है ;
- (ड) 'प्रतिभूतियाँ' से प्रतिभूति संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956 (1956 का 42) की धारा 2 के खंड (ज) में यथा परिभाषित प्रतिभूतियाँ अभिप्रेत हैं ;
- (छ) 'कानूनी लेखापरीक्षक' से कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 224 के अधीन कंपनी द्वारा नियुक्त लेखापरीक्षक अभिप्रेत है ;
- (ण) 'मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज' से स्टॉक एक्सचेंज अभिप्रेत है जिसे प्रतिभूति संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956 (1956 का 42) की धारा 4 के अधीन मान्यता प्रदान की गई है ;

(त) 'श्रमजन्य {स्वेट} इविक्टी शेयर' से कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 79क की उप-धारा (1) के स्पष्टीकरण II में यथा परिभाषित श्रमजन्य {स्वेट} इविक्टी शेयर अभिप्रेत हैं ;

(थ) 'अनुसूची' से इन विनियमों की अनुसूची अभिप्रेत है ;

(द) 'मूल्यांकक' से बौद्धिक संपत्ति अधिकारों का मूल्य या अन्य मूल्य परिवर्धन अवधारित करने के लिए नियुक्त चार्टर्ड एकाउंटेंट अथवा मर्चेंट बैंककार अभिप्रेत है ।

(2) इन विनियमों में उपयोग किए गए तथा अपरिभाषित शब्दों एवं पदों के वही अर्थ होंगे जो अधिनियम अथवा प्रतिभूति संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956 अथवा कंपनी अधिनियम, 1956, अथवा, यथास्थिति, उसके किसी कानूनी उपांतरण या पुनःअधिनियमिति में उनके लिए नियत किए गए हैं ।

इन विनियमों में अंतर्विष्ट कोई भी बात असूचीबद्ध कंपनी को लागू नहीं होगी । परंतु यह कि अपनी प्रतिभूतियों के आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव के साथ आने वाली तथा स्टॉक एक्सचेंज में इनका सूचीबद्धकरण चाहने वाली असूचीबद्ध कंपनी, श्रमजन्य {स्वेट} इविक्टी शेयरों के निर्गमन के अनुसरण में, भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (प्रकटीकरण और निवेशक संरक्षण) मार्गदर्शक सिद्धांत, 2000 का अनुपालन करेगी ।

लागू होना 3.

अध्याय II

सूचीबद्ध कंपनी द्वारा श्रमजन्य {स्वेट} इकिवटी का निर्गमन

श्रमजन्य {स्वेट} इकिवटी
शेयर कर्मचारी, संप्रवर्तक
को निर्गमित किये जा सकते
हैं

4. कंपनी जिसके इकिवटी शेयर
मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज में
सूचीबद्ध हैं कंपनी अधिनियम,
1956 की धारा 79क तथा इन
विनियमों के अनुसार श्रमजन्य
{स्वेट} इकिवटी शेयरों को इसके -
(क) कर्मचारियों
(ख) निवेशकों
को निर्गमित कर सकेगी ।

विशेष संकल्प

5. (1) कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा
79क की उप-धारा (1) के खंड (क)
के अधीन विशेष संकल्प पारित करने
के प्रयोजनों के लिए, कंपनी
अधिनियम, 1956 की धारा 173 के
अनुसरण में साधारण अधिवेशन के
लिए सूचना (नोटिस) से उपाबद्ध
व्याख्यात्मक विवरण में अनुसूची में
यथा विनिर्दिष्ट प्रकटीकरण
अंतर्भूत होंगे।

(2) संप्रवर्तकों को श्रमजन्य {स्वेट}
इकिवटी शेयरों का निर्गम इन
विनियमों के विनियम 6 में

विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं के अधीन होगा ।

संप्रवर्तकों को श्रमजन्य {स्वेट} इकिवटी शेयरों का निर्गम

6. (1)

संप्रवर्तकों को श्रमजन्य {स्वेट} इकिवटी शेयरों के निर्गम के मामले में, उसे साधारण अधिवेशन में शेयरधारकों के साधारण बहुमत द्वारा भी अनुमोदित किया जायेगा ।

परंतु यह कि ऐसा संकल्प पारित करने के लिए, कंपनी (डाक मतपत्र द्वारा संकल्प पारित करना) नियम 2001 के अधीन यथा विनिर्दिष्ट डाक मतपत्र के माध्यम से मतदान को भी अपनाया जायेगा ।

परंतु यह और कि संप्रवर्तक जिनको ऐसे श्रमजन्य {स्वेट} इकिवटी शेयर निर्गमित किये जाने प्रस्तावित हैं ऐसे संकल्प में भाग नहीं लेंगे ।

(2) श्रमजन्य {स्वेट} इकिवटी के निर्गम के प्रत्येक संव्यवहार का मतदान पृथक संकल्प द्वारा किया जायेगा ।

(3) श्रमजन्य {स्वेट} इकिवटी के निर्गम के लिए संकल्प, संकल्प के पारित किये जाने की तारीख से बारह मास से अनधिक की कालावधि के लिए विधिमान्य होगा ।

(4) संकल्प पारित करने के प्रयोजनों के लिए, व्याख्यात्मक विवरण में अनुसूची में यथा विनिर्दिष्ट प्रकटीकरण अंतर्विष्ट होंगे ।

श्रमजन्य {स्वेट} इकिवटी
शेयरों का कीमत-निर्धारण

7. (1)

श्रमजन्य {स्वेट} इकिवटी शेयरों की कीमत निम्नलिखित के उच्चतर से कम नहीं होगी :-

(क) सुसंगत तारीख के पूर्ववर्ती अंतिम छह मास के दौरान संबंधित इकिवटी शेयरों की अंतिम कीमतों के साप्ताहिक उच्च तथा निम्न का औसत; अथवा

(ख) सुसंगत तारीख के पूर्ववर्ती दो सप्ताहों के दौरान संबंधित इकिवटी शेयरों की अंतिम कीमतों के साप्ताहिक उच्च तथा निम्न का औसत।

स्पष्टीकरण :-

इस प्रयोजन के लिए "सुसंगत तारीख" से वह तारीख अभिप्रेत है जो उस तारीख के तीस दिन पूर्वीक है जिसको शेयरधारकों के साधारण निकाय का अधिवेशन बुलाया जाता है, कंपनी अधिनियम की धारा 79क की उप-धारा (1) के खंड (क) के निबंधनों के अनुसार।

(2) यदि शेयर एक से अधिक स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध हैं, किंतु वी गई तारीख को केवल एक स्टॉक एक्सचेंज में उत्क्षित है, तब उस स्टॉक एक्सचेंज में कीमत को माना जायेगा।

बौद्धिक संपत्ति का मूल्यांकन 8.

(1) यदि शेयर कीमत एक से अधिक स्टॉक एक्सचेंज में उत्कथित है, तब स्टॉक एक्सचेंज जहाँ उस तारीख के दौरान व्यापारिक परिमाण उच्चतम है को माना जायेगा ।

(2) यदि शेयर की गई तारीख को उत्कथित नहीं हैं, तब आगामी व्यापारिक दिवस की शेयर कीमत को माना जायेगा ।

(3) कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 79क की उप-धारा (1) के स्पष्टीकरण II में उल्लिखित बौद्धिक संपत्ति अधिकारों का अथवा उपलब्ध कराये गये व्यवहार-शान का अथवा अन्य मूल्य-परिवर्धन का मूल्यांकन मर्चेंट बैंककार द्वारा किया जायेगा ।

(4) मर्चेंट बैंककार ऐसे विशेषज्ञों तथा मूल्यांककों से परामर्श कर सकेगा, जो वह उद्योग के स्वरूप तथा संपत्ति के स्वरूप अथवा अन्य मूल्य-परिवर्धन को ध्यान में रखते हुए ठीक समझे ।

(5) मर्चेंट बैंककार स्वतंत्र चार्टर्ड एकाउंटेंट से प्रमाणपत्र अभिप्राप्त करेगा कि बौद्धिक संपत्ति का मूल्यांकन अथवा अन्य मूल्य-परिवर्धन सुसंगत लेखा मानकों के अनुसार है ।

लेखा व्यवहार 9. (1) जहाँ श्रमजन्य {स्वेट} इकिवटी शेयर गैर-नकद प्रतिफल के लिए निर्गमित

होते हैं, ऐसे गैर-नकद प्रतिफल को कंपनी की लेखा बहियों में निम्नलिखित रीति में लिया जायेगा:-

(क) जहां गैर-नकद प्रतिफल अवक्षयी अथवा क्रमिक अपाकरणीय आस्ति का रूप लेता है, इसे सुसंगत लेखा मानकों के अनुसार कंपनी के तुलनपत्र में ले जाया जायेगा ; अथवा

(ख) जहां खंड (क) लागू नहीं है, इसे नियत कर दिया जायेगा सुसंगत लेखा मानकों में यथा उपबंधित ।

कार्बिक साधारण अधिवेशन 10. श्रमजन्य {स्वेट} इकिवटी के निर्गम के पश्चात् साधारण अधिवेशन में, निदेशक बोर्ड शेयरधारकों के समक्ष, कंपनी के लेखापरीक्षकों का प्रमाणपत्र रखेंगे कि श्रमजन्य {स्वेट} इकिवटी शेयरों का निर्गम विनियमों के अनुसार तथा ऐसे श्रमजन्य {स्वेट} इकिवटी शेयरों के निर्गम को प्राधिकृत करते हुए कंपनी द्वारा पारित संकल्प के अनुसार किया गया है ।

प्रबंधकीय पारिश्रमिक पर 11. निर्गमित श्रमजन्य {स्वेट} इकिवटी शेयरों की मात्रा कंपनी अधिनियम, 1956 की धाराओं 198, 309, 310, 311 तथा 387 के प्रयोजनों के लिए प्रबंधकीय पारिश्रमिक का भागरूप मानी जायेगी यदि निम्नलिखित शर्तें पूरी हो जाती हैं :

(i) श्रमजन्य {स्वेट} इकिवटी शेयर

		किसी निदेशक अथवा प्रबंधक को निर्गमित किये जाते हैं ; तथा,
	(ii)	वे गैर-नकद प्रतिफल के लिए निर्गमित किये जाते हैं, जो आस्ति का रूप नहीं लेता है जिसे कि सुसंगत लेखा मानकों के अनुसार कंपनी के तुलनपत्र में ले जाया जा सकता हो ।
श्रमजन्य {स्वेट} इकिवटी शेयरों की रुद्धता (लॉक-इन)	12. (1)	श्रमजन्य {स्वेट} इकिवटी शेयर आबंटन की तारीख से तीन वर्षों की कालावधि के लिए रुद्ध रहेंगे ।
	(2)	भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (प्रकटीकरण और निवेशक संरक्षण) मार्गदर्शक सिद्धांत, 2000, रुद्धता तथा संप्रवर्तकों के अंशदान की संगणना के निबंधनों के अनुसार सार्वजनिक निर्गम पर लागू होंगे यदि कंपनी सार्वजनिक निर्गम करती है इसके पश्चात् कि इसने श्रमजन्य {स्वेट} इकिवटी निर्गमित कर ली हो ।
सूचीबद्धकरण	13.	सूचीबद्ध कंपनी द्वारा निर्गमित श्रमजन्य {स्वेट} इकिवटी सूचीबद्धकरण के लिए पात्र होगी केवल यदि ऐसा निर्गम इन विनियमों के अनुसार हो ।
अधिग्रहण का लागू होना	14.	श्रमजन्य {स्वेट} इकिवटी शेयरों का कोई अर्जन भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (शेयरों का पर्याप्त अर्जन और अधिग्रहण) विनियम, 1997 के उपबंध के अध्यधीन होगा

अध्याय III

साधारण बाध्यताएँ

कंपनी की बाध्यताएँ

15. (1)

कंपनी सुनिश्चित करेगी कि -

(क) साधारण अधिवेशन के लिए सूचना के व्याख्यात्मक विवरण में कतिपय प्रकटीकरण अंतर्विष्ट होंगे जो कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 79क की उप-धारा (1) के खंड (ख) तथा विनियम 5 के उप-विनियम (1) के अधीन विनिर्दिष्ट हैं ।

(ख) विनियम 10 के अधीन यथा अपेक्षित लेखापरीक्षक का प्रमाणपत्र शेयरधारकों के साधारण अधिवेशन में रखा जायेगा ।

(ग) कंपनी श्रमजन्य {स्वेट} इकिवटी के निर्गमन के सात दिनों के भीतर, मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज को विवरण जारी करेगी अथवा भेजेगी, :

(i) श्रमजन्य {स्वेट} इकिवटी शेयरों की संख्या ;

(ii) कीमत जिस पर श्रमजन्य {स्वेट}

इकिवटी शेयर निर्गमित किये गये हैं

- (iii) श्रमजन्य {स्वेट} इकिवटी शेयरों में विनिधान की गई कुल रकम ;
- (iv) उन व्यक्तियों के ब्यौरे जिनको श्रमजन्य {स्वेट} इकिवटी शेयर निर्गमित किये गये हैं; और,
- (v) श्रमजन्य {स्वेट} इकिवटी के निर्गम के पश्चात् तथा पूर्व पूंजी की संरचना तथा शेयरधारिता पैटर्न में परिणामी परिवर्तनों

को प्रकट करते हुए ।

मध्यवर्तियों के खिलाफ
कार्रवाई

16.

बोर्ड, इन विनियमों के अधीन बाध्यताओं का अनुपालन करने में मर्चेंट बैंककार की असफलता पर अथवा बौद्धिक संपत्ति के मूल्यांकन या मूल्य-परिवर्धन की बाबत सम्यक तत्परता का पालन करने में असफल रहने पर, मर्चेंट बैंककार के खिलाफ भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (मर्चेंट बैंककार) विनियम, 1992 के निबंधनों के अनुसार कार्रवाई शुरू कर सकेगा ।

अध्याय IV

शास्तियाँ और प्रक्रिया

निरीक्षण अथवा अन्वेषण का 17. (1) आदेश देने की बोर्ड की शक्ति

बोर्ड, स्वप्रेरणा से अथवा इसके द्वारा प्राप्त जानकारी पर, किसी कंपनी की लेखा बहियों या अन्य बहियों तथा कागजपत्रों का निरीक्षण किया जाना अथवा श्रमजन्य {स्वेट} इविवटी की प्रक्रिया से सहयुक्त किसी व्यक्ति के संचालन तथा कामकाज की बाबत अन्वेषण किया जाना कारित कर सकेगा, बोर्ड के अधिकारी को नियुक्त करते हुए।

परंतु यह कि कोई ऐसा निरीक्षण अथवा अन्वेषण उप-विनियम (2) में विनिर्दिष्ट प्रयोजनों के सिवाय नहीं किया जायेगा।

(2) उप-विनियम (1) में निर्दिष्ट प्रयोजन निम्नलिखित हैं, अर्थात्:-

(क) अभिनिश्चित करना कि क्या कोई परिस्थितियाँ हैं जो किसी व्यक्ति को इन विनियमों में से किसी अथवा तदधीन जारी किन्हीं निदेशों का उल्लंघन करने का दोषी बना देंगी;

(ख) विनियम के किसी उल्लंघन की किसी शिकायत का अन्वेषण करना, किसी विनिधानकर्ता से प्राप्त, अथवा किसी अन्य व्यक्ति से;

(3) उप-विनियम (1) के अधीन पारित आदेश यथास्थिति, निरीक्षण अथवा अन्वेषण का जिम्मा लेने के लिए निरीक्षण अथवा अन्वेषक अधिकारी के लिए पर्याप्त प्राधिकार होगा और आदेश की अधिप्रमाणित प्रति पेश किये जाने पर, संबद्ध व्यक्ति विनियम 18 में अधिरोपित कर्तव्य को निभाने के लिए आबद्ध होगा ।

अभिलेख, इत्यादि पेश करने 18. (1) का कर्तव्य

(1) प्रत्येक व्यक्ति जिसकी बाबत निरीक्षण अथवा अन्वेषण का आदेश विनियम 17 के अधीन दिया गया है का कर्तव्य, निरीक्षण अथवा अन्वेषक अधिकारी के समक्ष अपनी अभिरक्षा या नियंत्रण में रखी ऐसी बहियों, लेखों तथा अन्य दस्तावेजों को पेश करना और उसे ऐसे विवरण तथा जानकारी देना होगा जैसा उक्त अधिकारी निरीक्षण अथवा अन्वेषण के प्रयोजनों से अपेक्षित करे ।

(2) उप-विनियम (1) के उपबंधों की व्यापकता पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, ऐसा व्यक्ति -

(क) निरीक्षण अथवा अन्वेषक अधिकारी को निरीक्षण अथवा अन्वेषण के प्रयोजनों के लिए युक्तियुक्त रूप से अपेक्षित अपनी अभिरक्षा अथवा

नियंत्रण में रखी किन्हीं बहियों, लेखों तथा अन्य दस्तावेजों (चाहे हाथ से बनाकर रखे गये हों अथवा कंप्यूटर में हों अथवा किसी अन्य रूप में हों) की परीक्षा करने के लिए युक्तियुक्त सुविधाएँ देगा;

(ख) ऐसे निरीक्षण अथवा अन्वेषक अधिकारी को ऐसी बहियों, लेखों तथा अभिलेखों की प्रतियाँ उपलब्ध करायेगा जो, अधिकारी की राय में, निरीक्षण या अन्वेषण से सुसंगत हैं अथवा, यथास्थिति, उसे उनके कंप्यूटर प्रिंटआउट लेने की अनुज्ञा देगा;

(ग) ऐसी सहायता तथा सहयोग देगा जो निरीक्षण अथवा अन्वेषण के संबंध में अपेक्षित हो और ऐसे निरीक्षण अथवा अन्वेषण से सुसंगत जानकारी देगा जो ऐसे अधिकारी द्वारा मांगी जाये।

(3) निरीक्षण अथवा अन्वेषक अधिकारी के पास निरीक्षण अथवा अन्वेषण के प्रयोजन के लिए, पूरी शक्तियाँ होंगी;

(क) व्यक्तियों को समन करने तथा हाजिर करने की;

(ख) संबद्ध व्यक्तियों, ऐसे व्यक्ति के किसी निदेशक, भागीदार, सदस्य अथवा कर्मचारी की मौखिक परीक्षा करने तथा शपथ पर कथन

अभिलिखित करने की ।

बोर्ड को रिपोर्ट प्रस्तुत करना 19. (1) निरीक्षण अथवा अन्वेषक अधिकारी, निरीक्षण अथवा अन्वेषण के पूरा होने पर समस्त सुसंगत तथ्यों तथा परिस्थितियों पर विचार करने के पश्चात्, बोर्ड को रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा ।

(2) उप-विनियम (1) के अधीन रिपोर्ट की प्राप्ति पर, बोर्ड ऐसी कार्रवाई शुरू कर सकेगा जो यह विनिधानकर्ताओं तथा प्रतिभूति बाजार के हितों में करना ठीक समझे ।

निदेश जारी करने की बोर्ड की शक्ति 20. बोर्ड प्रतिभूति बाजार के हितों में तथा कार्रवाई शुरू करने के अपने अधिकार पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना जिसमें अधिनियम की धारा 24 अथवा कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 621 के अधीन आपराधिक अभियोजन सम्मिलित है ऐसे निदेश दे सकेगा जो यह ठीक समझे, जिनमें:-

(क) संबद्ध व्यक्ति को किसी विशिष्ट रीति में प्रतिभूतियों में और व्यौहार न करने का निदेश देना ;

(ख) संबद्ध व्यक्ति को इन विनियमों अथवा किसी अन्य विधि या विनियमों के उपबंधों के अतिक्रमण में आर्जित श्रमजन्य (स्वेट) इकिवटी शेयरों को बेचने अथवा निर्निहित करने का निदेश देना ;

(ग) संबद्ध व्यक्तियों को, प्रतिभूति बाजार में पहुंच रखने से प्रतिषिद्ध करना ;

(घ) अनुचित रूप से प्राप्त किन्हीं अभिलाभों या लाभ अथवा हानि से बचाव के प्रत्यर्पण का निदेश देना ;

(ड) कंपनी को श्रमजन्य {स्वेट} इकिवटी के लिए और प्रस्ताव करने से अवरुद्ध करना

सम्मिलित है ।

अनुसूची

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (श्रमजन्य {स्वेट} इकिवटी का निर्गमन) विनियम, 2002

[विनियम 6(4) के अधीन]

सूचना (नोटिस) के व्याख्यात्मक विवरण और श्रमजन्य {स्वेट} इकिवटी के निर्गमन के अनुमोदन हेतु माध्यारण अधिवेशन में पारित किये जाने के लिए प्रस्तावित संकल्प में, अन्य बातों के साथ, नेमलिखित जानकारी अंतर्विष्ट होगी :-

- क) श्रमजन्य {स्वेट} इकिवटी के रूप में निर्गमित किये जाने वाले शेयरों की कुल संख्या ।
- ख) कंपनी के शेयरों की चालू बाजार कीमत ।
- ग) मूल्यांकन रिपोर्ट / मूल्यांकन के आधार के साथ कर्मचारी या निदेशक से प्राप्त होने वाले बौद्धिक संपत्ति अधिकारों या तकनीकी व्यवहार-ज्ञान का मूल्य अथवा अन्य मूल्य परिवर्धन ।
- घ) कर्मचारियों अथवा निदेशकों अथवा संप्रवर्तकों के नाम जिनको श्रमजन्य {स्वेट} इकिवटी शेयर निर्गमित किये जायेंगे और कंपनी के साथ उनका संबंध ।
- ड) श्रमजन्य {स्वेट} इकिवटी के लिए अदा किया जाने वाला प्रतिफल ।

- च) कीमत जिस पर श्रमजन्य {स्वेट} इकिवटी शेयर निर्गमित होंगे ।
- छ) प्रबंधकीय पारिश्रमिक पर अधिकतम सीमा, यदि कोई हो, जो ऐसी श्रमजन्य {स्वेट} इकिवटी के निर्गमन द्वारा प्रभावित होगी ।
- ज) इस प्रभाव का कथन कि कंपनी बोर्ड द्वारा यथा विनिर्दिष्ट लेखा नीतियों के अनुरूप चलेगी ।
- झ) प्रतिभूतियों के निर्गम के अनुसरण में अंतर्राष्ट्रीय लेखा मानकों / भारतीय चार्टर्ड एकाउंटेंट संस्थान द्वारा विनिर्दिष्ट मानकों के अनुसार परिकलित किया जाने वाला तनुकृत उपार्जन (डॉयल्यूटेड अनिंग) प्रति शेयर ।

[फा. सं. भाप्रबिबो/विधि/22/02/18523]

ज्ञानेन्द्र नाथ बाजपेयी, अध्यक्ष

SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA NOTIFICATION

Mumbai, the 24th September, 2002

Securities and Exchange Board of India (Issue of Sweat Equity) Regulations, 2002

S.O. 1031(E).— In exercise of the powers conferred by section 30 of the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 (15 of 1992) read with clause (d) of sub-section (1) of Section 79A of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) as inserted by Companies (Amendment) Act, 1999 (1 of 1999), the Board, hereby, makes the following regulations, namely :-

CHAPTER I

PRELIMINARY

Short title and commencement. 1. (a) These regulations shall be called the Securities and Exchange Board of India (Issue of Sweat Equity) Regulations, 2002.

(b) These regulations shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

Definitions.

2. (1) In these regulations, unless the context otherwise requires :-

- (a) 'Act' means the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 ;
- (b) 'associate' includes a person,
 - (i) who directly or indirectly by himself or in combination with relatives, exercises control over the company; or,
 - (ii) whose employee, officer or director is also a director, officer or employee of another company;
- (c) 'Board' means the Board as defined in clause (a) of sub-section (1) of section 2 of the Act ;
- (d) 'control' shall include the right to appoint majority of the directors or to control the management or policy decisions exercisable by a person or persons acting individually or in concert, directly or indirectly, including by virtue of their shareholding or management rights or shareholders or voting agreements or in any other manner ;
- (e) 'company' means a company as defined in the Companies Act, 1956;
- (f) 'director' means, a director as defined in sub-section (13) of section 2 of the Companies Act, 1956 ;
- (g) 'employee' means ;

(i) a permanent employee of the company working in India or abroad or

(ii) a director of the company, whether a whole time director or not.

(h) 'ESOS' means an Employees Stock Option Scheme as defined in Securities and Exchange Board of India (Employees Stock Option Scheme and Employees Stock Purchase Scheme) Guidelines, 1999 ;

(i) 'insider' means an insider as defined in clause (e) of regulation 2 of Securities and Exchange Board of India (Prohibition of Insider Trading) Regulations, 1992 ;

(j) 'merchant banker' means a merchant banker registered under section 12 of the Act ;

(k) 'promoter' means promoter as defined in clause (h) of sub-regulation (1) of regulation 2 of the Securities and Exchange Board of India (Substantial Acquisition of shares and Takeovers) Regulations, 1997 ;

(l) 'registrar' means a registrar to an issue and includes a share transfer

agent registered under section 12 of the Act ;

(m) 'securities' means securities as defined in clause (h) of section 2 of the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956 (42 of 1956) ;

(n) 'statutory auditor' means an auditor appointed by a company under section 224 of the Companies Act 1956 (1 of 1956) ;

(o) 'Recognised Stock Exchange' means a stock exchange which has been granted recognition under section 4 of the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956 (42 of 1956) ;

(p) 'sweat equity shares' means sweat equity shares as defined in Explanation II of Sub-section (1) of Section 79A of the Companies Act, 1956 ;

(q) "Schedule" means a schedule to these Regulations ;

(r) 'valuer' means a Chartered Accountant or a merchant banker appointed to determine the value of the intellectual property rights or other value addition ;

(2) Words and expressions not defined in these regulations shall have the same meaning as have been assigned to them under the Act or

the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956 or the Companies Act, 1956, or any statutory modification or re-enactment thereof, as the case may be.

Applicability.

3. Nothing contained in these regulations shall apply to an unlisted company.

Provided the unlisted company coming out with initial public offering and seeking listing of its securities on the stock exchange, pursuant to issue of sweat equity shares, shall comply with the Securities and Exchange Board of India (Disclosure and Investor Protection) Guidelines, 2000.

CHAPTER II

ISSUE OF SWEAT EQUITY BY A LISTED COMPANY

Sweat equity shares may be issued to employee, promoter.

4. A company whose equity shares are listed on a recognised stock exchange may issue sweat equity shares in accordance with Section 79A of Companies Act, 1956 and these Regulations to its—
 (a) Employees
 (b) Directors

Special Resolution.

5. (1) For the purposes of passing a special resolution under clause (a) of sub-section (1) of section 79A of the Companies Act, 1956 the explanatory statement to be annexed to the

notice for the general meeting pursuant to section 173 of the Companies Act, 1956 shall contain disclosures as specified in the Schedule.

(2) The issue of sweat equity shares to promoters shall be subject to the requirements specified in Regulation 6 of these Regulations.

Issue of Sweat Equity Shares to Promotors. 6 .(1) In case of issue of sweat equity shares to promoters, the same shall also be approved by simple majority of the shareholders in General Meeting.

Provided that for passing such resolution, voting through postal ballot as specified under Companies (Passing of the resolution by Postal Ballot) Rules 2001 shall also be adopted.

Provided further that the promoters to whom such Sweat Equity Shares are proposed to be issued shall not participate in such resolution.

(2) Each transaction of issue of Sweat Equity shall be voted by a separate resolution.

(3) The resolution for issue of Sweat Equity shall be valid for a period of not more than twelve months from the date of passing of the resolution.

(4) For the purposes of passing the resolution, the explanatory statement shall contain the disclosures as specified in the Schedule.

Pricing of Sweat Equity Shares. 7.(1) The price of sweat equity shares shall not be less than the higher of the following :-

(a) The average of the weekly high and low of the closing prices of the related equity

shares during last six months preceding the relevant date; or

(b) The average of the weekly high and low of the closing prices of the related equity shares during the two weeks preceding the relevant date.

Explanation :-

“relevant date” for this purpose means the date which is thirty days prior to the date on which the meeting of the General Body of the shareholders is convened, in terms of clause (a) of sub-section (1) of section 79A of the Companies Act.

(2) If the shares are listed on more than one stock exchange, but quoted only on one stock exchange on the given date, then the price on that stock exchange shall be considered.

(3) If the share price is quoted on more than one stock exchange, then the stock exchange where there is highest trading volume during that date shall be considered.

(4) If shares are not quoted on the given date, then the share price on the next trading day shall be considered.

Valuation of Intellectual Property.

8.(1) The valuation of the intellectual property rights or of the know-how provided or other value addition mentioned in Explanation II of sub-section (1) of Section 79A of the Companies

Act, 1956 shall be carried out by a merchant banker.

- (2) The merchant banker may consult such experts and valuers, as he may deem fit having regard to the nature of the industry and the nature of the property or other value addition.
- (3) The merchant banker shall obtain a certificate from an independent Chartered Accountant that the valuation of the intellectual property or other value addition is in accordance with the relevant accounting standards.

Accounting Treatment. 9. (1) Where the sweat equity shares are issued for a non – cash consideration, such non-cash consideration shall be treated in the following manner in the books of account of the company :-

- (a) where the non-cash consideration takes the form of a depreciable or amortizable asset, it shall be carried to the balance sheet of the company in accordance with the relevant accounting standards; or
- (b) where clause (a) is not applicable, it shall be expensed as provided in the relevant accounting standards.

**Placing of Auditors
Certificate Before
Annual General
Meeting.**

10. In the general meeting subsequent to the issue of sweat equity, the Board of Directors shall place before the shareholders, a certificate from the auditors of the company that the issue of sweat equity shares has been made in accordance with the Regulations and in accordance with the resolution passed by

the company authorizing the issue of such Sweat Equity Shares.

Ceiling on Managerial Remuneration.

11. The amount of Sweat Equity shares issued shall be treated as part of managerial remuneration for the purposes of sections 198, 309, 310, 311 and 387 of the Companies Act, 1956 if the following conditions are fulfilled :

- (i) the Sweat Equity shares are issued to any director or manager; and,
- (ii) they are issued for non-cash consideration, which does not take the form of an asset which can be carried to the balance sheet of the company in accordance with the relevant accounting standards.

Lock-In of sweat equity shares. 12. (1) The Sweat Equity shares shall be locked in for a period of three years from the date of allotment.

(2) The Securities and Exchange Board of India (Disclosure and Investor Protection) Guidelines, 2000, on public issue in terms of lock-in and computation of promoters' contribution shall apply if a company makes a public issue after it has issued sweat equity.

Listing.

13. The Sweat Equity issued by a listed company shall be eligible for listing only if such issue are in accordance with these regulations.

Applicability of Takeover.

14. Any acquisition of Sweat Equity Shares shall be subject to the provision of Securities and Exchange Board of India (Substantial Acquisition of Shares and Takeovers) Regulations, 1997.

CHAPTER III**GENERAL OBLIGATIONS****Obligations of the Company.** 15. (1) The company shall ensure that -

- (a) The Explanatory Statement to the notice for general meeting shall contain certain disclosures as are specified under clause (b) of Sub-section (1) of Section 79A of the Companies Act, 1956 and sub-regulation (1) of Regulation 5.
- (b) Auditor's certificate as required under Regulation 10 shall be placed in the general meeting of shareholders.
- (c) The company shall within seven days of the issue of sweat equity, issue or send statement to the recognized stock exchange, disclosing :
 - (i) number of sweat equity shares ;
 - (ii) price at which the sweat equity shares are issued ;
 - (iii) total amount invested in sweat equity shares ;

- (iv) details of the persons to whom sweat equity shares are issued; and,
- (v) the consequent changes in the capital structure and the shareholding pattern after and before the issue of sweat equity.

Action against intermediaries. 16.

The Board may, on failure of the merchant banker to comply with the obligations under these regulations or failing to observe due diligence in respect of valuation of intellectual property or value addition, initiate action against the merchant banker in terms of Securities and Exchange Board of India (Merchant Bankers) Regulations, 1992.

CHAPTER IV

PENALTIES AND PROCEDURE

Power of the Board to order inspection or investigation.

17. (1) The Board may, *suo-motu* or upon information received by it, cause an inspection to be made of the books of account or other books and papers of any company or an investigation to be made in respect of the conduct and affairs of any person associated with the process of Sweat Equity, by appointing an officer of the Board.

Provided that no such inspection or investigation shall be made except for the purposes specified in sub-regulation(2).

(2) The purposes referred to in sub-regulation (1) are the following, namely:-

(a) to ascertain whether there are any circumstances which would render any person guilty of having contravened any of these regulations or any directions issued thereunder;

(b) to investigate into any complaint of any contravention of the regulation, received from any investor, or any other person;

(3) An order passed under the sub-regulation (1) shall be sufficient authority for the Inspecting or Investigating Officer to undertake the inspection or investigation, as the case may be and on production of an authenticated copy of the order, the person concerned shall be bound to carry out the duty imposed in Regulation 18.

Duty to produce records, etc. 18. (1) It shall be the duty of every person in respect of whom an inspection or investigation has been ordered under

regulation 17, to produce before the inspecting or the investigating Officer such book, accounts and other documents in his custody or control and furnish him with such statements and information as the said officer may require from the purposes of the inspection or investigation.

(2) Without prejudice to the generality of the provisions of sub-regulation (1), such person shall –

(a) extend to the Inspecting or Investigating Officer reasonable facilities for examining any books, accounts and other documents in his custody or control (whether kept manually or in computer or in any other form) reasonably required for the purposes of the inspection or investigation;

(b) provide such Inspecting or Investigating Officer copies of such books, accounts and records which, in opinion of the Officer, are relevant to the inspection or investigation or, as the case may be, allow him to take out computer printouts thereof.

(c) provide such assistance and co-operation as may be required in connection with the inspection or investigation and furnish information relevant to such inspection or investigation as may be sought by such officer.

(3) The Inspecting or Investigating Officer shall for the purpose of inspection or investigation, have the full powers;

(a) of summoning and enforcing the attendance of persons;

(b) to examine orally and to record on oath the statement of the persons concerned, any director, partner, member or employee of such person.

Submission of Report to the Board.

19 (1) The Inspecting or Investigating Officer shall, on completion of the inspection or investigation after taking into account all relevant facts and circumstances, submit a report to the Board.

(2) On the receipt of report under sub-regulation (1), the Board may initiate such action as it may be deemed fit to do in the interests of investors and the securities market.

Power of the Board to issue directions.

20. The Board may in the interests of the securities market and without prejudice to its right to initiate action including criminal prosecution under section 24 of the Act or Section 621 of Companies Act, 1956 give such directions as it deems fit including: -

- (a) directing the person concerned not to further deal in securities in any particular manner;
- (b) directing the person concerned to sell or divest the sweat equity shares acquired in violation of the provisions of these Regulations or any other law or regulations;
- (c) prohibiting the persons concerned, from accessing the securities market;
- (d) directing the disgorgement of any ill-gotten gains or profit or avoidance of loss.
- (e) restraining the company from making a further offer for sweat equity.

SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA
(Issue of Sweat Equity) Regulations, 2002

SCHEDULE

[Under Regulation 6(4)]

The explanatory statement to the notice and the resolution proposed to be passed in the general meeting for approving the issuance of sweat equity shall, inter alia, contain the following information : -

- a) The total number of shares to be issued as sweat equity.
- b) The current market price of the shares of the company.
- c) The value of the intellectual property rights or technical know how or other value addition to be received from the employee or director along with the valuation report / basis of valuation.
- d) The names of the employees or directors or promoters to whom the sweat equity shares shall be issued and their relationship with the company.
- e) The consideration to be paid for the sweat equity.
- f) The price at which the sweat equity shares shall be issued.
- g) Ceiling on managerial remuneration, if any, which will be affected by issuance of such sweat equity.
- h) A statement to the effect that the company shall conform to the accounting policies as specified by the Board.
- i) Diluted Earning Per Share pursuant to the issue of securities to be calculated in accordance with International Accounting Standards / standards specified by the Institute of Chartered Accountants of India.

[F. No SEBI/LE/22/02/18523]

G N BAJPAI, Chairman